राष्ट्र जागरण भाव के साथ अनुशासित कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

- इन्दौर महानगर के 4 जिलों में 34 स्थानों से प्रभावी पथ संचालन निकाले
- एक लाख चालीस हजार स्वयंसेवक पथ संचलन में सम्मिलित हुए

नवभारत न्यूज

इंदौर. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विजयादशमी पर्व पर रविवार को इन्दौर महानगर के अंतर्गत आने वाले महानगर के 4 जिलों में 34 स्थानों से स्वयंसेवकों के प्रभावी पथ संचालन निकले. संचालन प्रात: 9 एवं शम 4 से आरंभ हुए राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ समाज का प्रत्येक वर्ग पथ संचलन में उल्लास के साथ सम्मिलित हुआ. लगभग एक लाख चालीस हजार स्वयंसेवक पथ संचलन में सम्मिलित हुए तथा महानगर के विभिन्न मार्गों में 165 किमी मार्ग तय किया.

सुबह से ही शहर की सड़कों पर संघ के हजारों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में दिखाई दिए. 'संघ शक्ति कलियुगे' के उद्घोष और कदमताल के साथ 34 स्थानों से निकले पथ संचलन ने पूरे शहर को उत्साह और रंगों में डुबो दिया. राष्ट्र जागरण के भाव के साथ अनुशासित कदमताल करते स्वयंसेवकों का विभिन्न स्थानों पर समाज जन एवं मातृशक्ति द्वारा पुष्प वर्षा कर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया. विभिन्न स्थानों से निकले पथ संचलन में समाज के वरिष्ठजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए. व्यापारियों और नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया. महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, विधायक गोलू शुक्ला, रमेश मेंदोला के साथ ही व्यापारी और संघ समर्थक व विधायक महेंद्र हार्डिया सहित अन्य वरिष्ठ लोग भी स्वयंसेवकों के बीच शामिल हुए. पथ संचलन का हर रूट लगभग 3-4 किलोमीटर लंबा था, जिसमें घोष दल आगे और स्वयंसेवक कतार में चलते रहे. 70-80 वर्ष के वरिष्ठ स्वयंसेवक, जो लंबी दूरी तय नहीं कर सकते थे, छतों और मंचों से उत्साहपूर्ण स्वागत करते दिखाई दिए.

संघ ने समाज को केंद्र में रखकर किया काम : अरूण कुमार

कनाडिया रोड पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहे विजयादशमी पथ संचलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सर कार्यवाह अरुणकुमार ने कहा कि संघ की 100 वर्षों की यात्रा एक अविस्मरणीय यात्रा है, जो सरल नहीं थी. इस यात्रा में संघ ने देश धर्म, संस्कृति और समाज के किसी भी काम से मुंह नहीं मोड़ा. समाज को केंद्र में रखकर संघ ने काम किया और समाज का विश्वास जीतने में सफल रहा. वास्तव में संघ की 100 वर्षों की यात्रा समाज के समर्थन एवं स्वयंसेवकों की साधना के बिना संभव नहीं थी. संघ का कार्य वास्तव में समाज का कार्य है. आने वाले समय में अनेक चुनौतियां है, जिनका समाज को संगठित होकर प्रतिकार करना होगा. समाज को पंच परिवर्तन के माध्यम से सबल बनाया जा सकता है, जिसके लिए भारत के प्रत्येक नागरिक को संकल्पित होना पड़ेगा. पंच परिवर्तन द्वारा समाज में समरसता के वातावरण की निर्मिति, पर्यावरण की रक्षा, अपनी सुदृढ कुटुंब व्यवस्था, स्वदेशी जीवन शैली का भाव तथा नागरिक अनुशासन जागृत करने जैसे कदम हमें उठाने होंगे. पंच परिवर्तन के आधार पर ही समाज का निर्माण करना होगा. मुख्य अतिथि के रूप में निर्गुण भजन गायक पद्मश्री भेरू सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संप्रदाय, जाति और भेदभाव मिटाने का काम कर रहा है, जो महत्वपूर्ण है. कबीर दास जी ने 628 साल पहले जो संदेश समाज को दिया था, वही संदेश आज संघ दे रहा है. समाज को संघ के साथ में आकर देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए.

हर वर्ग के लोग हुए शामिल

राजबाड़ा से सुबह 9 बजे शुरू हुआ पथ संचलन शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरते हुए जनता में जोश और उत्साह भरता चला गया. हर पथ संचलन में लगभग 5,000 स्वयंसेवक शामिल थे, जिनमें छात्र, युवा, वरिष्ठ नागरिक और पेशेवर वर्ग—डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, उद्योगपति—भी शामिल थे.

मार्गों को भगवा झंडों से सजाया

भंवरकुआ, चिमनबाग, बंगाली चौराहा, संगम नगर और राजीव आवास निरंजनपुर जैसे क्षेत्रों में मार्ग किनारे नागरिकों की भीड़ ने पुष्प वर्षा और ढोल-ढमाकों के साथ स्वागत किया. मार्गों पर भगवा झंडों और बैनरों ने पथ संचलन को और भव्य बना दिया.

एक नजर में

विद्यासागर सोशल ग्रुप ने किया तपस्वियों का सम्मान

इंदौर. विद्यासागर सोशल ग्रुप इंदौर द्वारा 5 से 16 निर्जल उपवास करने वाले तपस्वियों का सम्मान रेवती रेंज पर सम्मान पत्र, मोमेंटो व माला पहनाकर किया गया. इसमें 16 निर्जल उपवास करने वाले निकलंक जैन व 10 उपवास करने वाले थे राजीव जैन, प्रीति-जयंत जैन, सुनीता-जयकुमार सतभैया, अंजलि - निकलंक जैन, अनीता-सुनील जैन, नूतन-प्रदीप जैन, रमेश जैन और कुमारी रिद्धि राकेश जैन. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार जी पाटोदी व अध्यक्षता की ग्रुप के अध्यक्ष श्री सतीश जैन ने. इसके बाद फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर मनोहर झांझरी का और दिगंबर जैन परवार सभा के अध्यक्ष बनने पर राकेश जैन चेतक का पगड़ी, माला व शाल पहनाकर सम्मान किया गया. प्रथम सेशन में सुबह श्री जी का अभिषेक, शांति धारा पूजन कर ग्रुप सदस्यों के द्वारा बहुत ही भक्ति भाव से शांति विधान किया गया. कार्यक्रम के संयोजक थे संजय जैन एल आय सी. संचालन किया ग्रुप के सचिव संतोष जैन ने व आभार माना ग्रुप के कोषाध्यक्ष राजेंद्र जैन बीएसएनएल ने. उक्त जानकारी ग्रुप के अध्यक्ष सतीश जैन ने दी.

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग पेश की

इंदौर. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडियरी, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग पेश की है। इसके प्रति ईक्विटी शेयर का मूल्य 1,080 रुपये से 1,140 रुपये होगा. एंकर इन्वेस्टर बिडिंग डेट 6 अक्टूबर तय की गई है. इस बिड/ऑफर की सदस्यता 07 अक्टूबर से शुरू होगी और 9 अक्टूबर को समाप्त होगी. निवेशक कम से कम 13 ईक्विटी शेयर के लिए, और उसके बाद 13 ईक्विटी शेयर के गुणांक में बोली लगा सकेंगे. एम्प्लॉई रिज़र्वेशन पोर्शन के अंतर्गत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति ईक्विटी शेयर 108 रुपये का डिस्काउंट दिया जाएगा. संपूर्ण विवरण के लिए 30 सितंबर को प्रकाशित प्राईस बैंड का एडवरटाईज़मेंट देखें, जो अनुलग्नक के रूप में संलग्न है. इस ऑफर में प्रमोटर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक. द्वारा 10 रुपये प्रति शेयर की फेस वैल्यू के 101,815,859 ईक्विटी शेयर्स तक की बिक्री शामिल है. इक्विटी शेयरों को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है.

एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा जागरुकता पहल

इंदौर. नवरात्रि का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, और यह हमारे व्यक्तिगत संघर्षों - खासकर वित्तीय अनुशासन से जुड़ी जंग पर विचार करने का भी सही समय है. आपके पास इन सभी बुराईयों को हराने के लिए एक तीर होना चाहिए? एक साधारण मगर शक्तिशाली एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान). निरंतरता और अनुशासन के साथ, आपका एसआईपी इन जंग को जीतने में मदद कर सकता है. जैसे रावण कर हर सिर एक बुराई का प्रतीक था, वैसे ही नीचे दिए गए दस सिर सामान्य वित्तीय समस्याओं को दर्शाते हैं. इसमें पहला है टालमटोल, दूसरा आपातकालीन फंड की कमी, तीसरा आवेगपूर्ण खर्च, चौथा बजट की कमी, पांचवा कर्ज का जाल, छटा अल्पकालिक सोच- जल्दी रिटर्न पाने की चाहत, सातवां महंगाई को नजरअंदाज करना- बढ़ती लागत की अनदेखी, आठवां कर अक्षमता-स्मार्ट टैक्स-सेविंग्स विकल्पों को छोड़ना, नवां एक ही संपत्ति पर निर्भरता- सारा धन एक ही जगह निवेश कर देना और दसवां लक्ष्य-आधारित योजना की कमी - बिना उद्देश्य के निवेश. इन 10 वित्तीय समस्याओं को खत्म करने से आपकी वित्तीय सेहत बदल सकती है और आपका सबसे बड़ा हथियार? म्यूचुअल फंड्स में एक अनुशासित एसआईपी - वह तीर जो इन 10 समस्याओं को खत्म कर सकता है और आपके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकता है. आपका अंतिम हथियार है अनुशासन का तीर. इसको लेकर एसबीआई म्यूचुअल फंड निवेशक शिक्षा और जागरूकता पहल कर रहा है.

जीएसटी 2.0 के नोटबुक उद्योग पर प्रभाव को लेकर चिंता जताई

इंदौर. ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन प्रधानमंत्री और भारत सरकार का जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत कर प्रणाली को सरल बनाने और आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए उठाए गए साहसिक कदमों हेतु हार्दिक आभार व्यक्त करता है. हालांकि, वर्तमान में जो स्थिति उत्पन्न हुई है, जिसमें नोटबुक पर 0% जीएसटी और आसियान मुक्त व्यापार समझौते के तहत 0% कस्टम ड्यूटी लगाई गई है, वह भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है. आसियान समझौते के अंतर्गत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता. अब, 0% जीएसटी के कारण, इन आयातों पर ड्रॉबैक भी नहीं लगेगा, जिसका मतलब यह है कि इन पर कोई काउंटरवेलिंग ड्यूटी भी नहीं लगेगी — जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में सस्ते हो जाते हैं, जबकि भारत में घरेलू मांग को पूरा करने की पूरी क्षमता मौजूद है. इसलिए एसोसिएशन भारत सरकार का ध्यान इस गंभीर स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहती है और घरेलू नोटबुक उद्योग को बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग करती है.

राजेंद्र नगर रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य फरवरी में पूरा होने की संभावना

- जनता को छह माह और धूल, गड्ढे की त्रासदी झेलना पड़ेगी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के एबी रोड पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए जा रहे राजेंद्र नगर रेलवे ओवर ब्रिज के कारण आम जनता को अभी छह माह ओर धूल, गड्ढे और यातायात जाम की त्रासदी झेलना पड़ेगा. इसका कारण यह है कि उक्त ब्रिज का निर्माण आने वाली फरवरी तक पूरा होने की संभावना है.

राजेंद्र नगर रेती मंडी चौराहे पर रेलवे क्रासिंग के कारण बहुत जाम लगता था. इससे निजात पाने के लिए प्रशासन ने रेलवे ओवर ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया. उक्त रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य पहले आईडीए ने प्रस्तावित किया था, उस समय क्षेत्रीय विधायक मधु वर्मा आईडीए अध्यक्ष थे. वर्मा के हटते ही मामला आया गया हो गया . इसके बाद यातायात जाम होने की समस्या बहुत ज्यादा हो गई. रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का निर्णय लिया गया. उक्त ब्रिज का निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया. पीडब्ल्यूडी ने उक्त ब्रिज अप्रैल 2022 एमडी काम शुरू किया था, जिसको तीन साल बीत चुके है. ब्रिज का काम 18 महीने में ही पूरा करने का समय तय था, लेकिन साइट क्लियर और नर्मदा, ड्रेनेज लाइन शिफ्टिंग का काम समय पर नहीं होने से ब्रिज निर्माण में देरी हो गई. मगर इस बात को भी एक साल बीत चुका है, लेकिन अभी भी काम में वो गति नही आई है, जो होना चाहिए. पीडब्ल्यूडी राजेंद्र नगर रेलवे क्रॉसिंग पर तीन भुजा का ब्रिज बना रहा है. उक्त ब्रिज का ठेका मेसर्स रामप्रकाश गुप्ता कंस्ट्रक्शन को दिया है. 920 मीटर लंबा और फोर लेन चौड़ा बनाया जा रहा है. उक्त ब्रिज की निर्माण लागत 29 करोड़ रुपए है. उक्त की दो भुजा एबी रोड पर और एक भुजा राजेंद्र नगर पर उतरेगी.

यातायात भी होता है प्रभावित

ब्रिज निर्माण के चलते एबी रोड पर रोज सुबह और शाम यातायात प्रभावित हो रहा है. कभी भी जाम लग जाता है. सड़क पर गड्ढों के कारण रोजाना आने जाने वाले दो और चार पहिया वाहन चालक बहुत परेशान हो रहे हैं. आम जनता से लेकर भारी वाहनों तक सभी को 6 माह ओर धूल गड्ढे और यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ेगा.

फरवरी का समय किया निर्धारित

पीडब्ल्यूडी प्रभारी कार्यपालन यंत्री गुरमीत कौर भाटिया ने कहा कि ब्रिज निर्माण कार्य पूरा करने की अंतिम तारीख फरवरी तय की है. ठेकेदार कंपनी को फरवरी तक निर्माण कार्य पूरा करने का समय निर्धारित कर दिया गया है.

मालवा मिल ब्रिज की खामियों का पेंच वर्क

नव भारत न्यूज

इंदौर. मालवा मिल पुल जल्दबाजी में शुरू कर दिया गया. वास्तविकता में ब्रिज का काम अधूरा ही था और यातायात के लिए खोल दिया गया. पुल पर जलजमाव होने और सड़क लेवल से चार इंच नीचा होने को खामियां उजागर हुई. इसके बाद आज निर्माण कंपनी ने ब्रिज की खामियों का पेंच वर्क किया.

6 करोड़ के लागत से बने मालवा मिल से पंतीपुरा को जोड़ने वाले पुल की पोल जल्द ही खुल गई. नगर निगम ने उक्त ब्रिज का लोकार्पण नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से 2 अक्टूबर को करवाया था। परसो हुई बारिश से पुल निर्माण की खामियां उजागर हो गई और पुल पर जलजमाव हो गया. उक्त मामले को लेकर निगम के जनकार्य विभाग पर सवालिया निशान खड़े हो रहे है. ध्यान देने वाली बात यह है कि उक्त पुल को छह माह में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था और टेंडर में भी यही शर्त थी. नगर निगम द्वारा अनौपचारिक रूप से कहा जा रहा है कि उक्त ब्रिज का निर्माण छह माह ओर बाकी थे और समय से पहले पूरा किया गया है. ब्रिज आठ माह में पूरा हुआ है.

सीमेंट की रैंप बनाई

मालवा मिल पुल की खामियों का आज निर्माण कंपनी ने पेंच वर्क किया है, जिसमें सड़क से 4 इंच नीचे स्लैब को सीमेंट की रैंप बनाई है. वही सड़क के दोनों और स्लोप पर चेंबर बनाए गए है. एक तरफ पुल पर दो दिन के लिए यातायात भी बंद कर दिया है.

रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिस मेले का आयोजन आज

इंदौर. बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6 अक्टूबर को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिस मेले (युवा संगम) कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. इस मेले में ऐसे बेरोजगार युवक/युवतियों जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष है एवं शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 10वीं, 12वीं एवं स्नातक, आय.टी.आय. उत्तीर्ण हो वे अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ जिला रोजगार कार्यालय आय.टी.आय. केम्पस इन्दौर नाका धार में 06 अक्टूबर को प्रात: 11 से दोपहर 3 बजे तक उपस्थित होकर योग्यतानुसार रोजगार प्राप्त कर सकेंगे. तत्वाधान में 6 अक्टूबर को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिस मेला (युवा संगम) कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. इस मेले में ऐसे बेरोजगार युवक/युवतियों जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष है एवं शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 10वीं, 12वीं एवं स्नातक, आय.टी.आय. उत्तीर्ण हो वे अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ जिला रोजगार कार्यालय आय.टी.आय. केम्पस इन्दौर नाका धार में 06 अक्टूबर को प्रात: 11 से दोपहर 3 बजे तक उपस्थित होकर योग्यतानुसार रोजगार प्राप्त कर सकेंगे.

चिन्मय दूत शिविर का शुभारंभ

इन्दौर. चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्कीम नं. 78 स्थित चिन्मय मिशन इन्दौर में 5 से 12 अक्टूबर तक चलने वाले आवासीय युवा शिविर का शुभारंभ हुआ.

उद्घाटन समारोह में स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती, आईएफएस अध्यक्ष चिन्मय मिशन इन्दौर डॉ. पी.सी. दुबे, तर्केश्वर सिंह पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश मध्यप्रदेश, गोकुल सिंह सिसोदिया अभियोजन अधिकारी तथा कर्नल (से.नि.) आनंद सोनटके मुख्य रूप से उपस्थित रहे. इसके साथ ही निर्मला सिंह मिशन सचिव और श्री मिश्रा ट्रस्टी भी मंचासीन रहे. प्रथम सत्र में डॉ. किरण बिसेन आईएफएस, सीएफ उज्जैन ने अंडरस्टेंडिंग एनवायरमेंट: वेल्यूज एंड ऑपर्च्यूनिटीज फ्रॉम यूथ्स पॉइंट ऑफ व्यू विषय पर युवाओं को संबोधित किया. तत्पश्चात आईआरएस, अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय जीएसटी इन्दौर-उज्जैन डॉ. दिनेश बिसेन ने द आर्किटेक्चर ऑफ डेस्टिनी: हाउ कॉनशियस थॉट शेप्य योर फ्यूटर विषय पर मार्गदर्शन दिया. इसके बाद स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती ने रामचरितमानस के उदाहरणों से मित्रता बनाम प्रेम का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया.

एक नजर में — माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ का परिचय सम्मेलन

मंच पर बेबाकी से अपनी पसंद बताई प्रत्याशियों ने

इंदौर. हम अपने सोच को बदले बिना अच्छे रिश्ते नहीं तलाश सकते. लड़कियों को अच्छे रिश्ते के लिए छोटे शहर एवं कस्बों में विवाह नहीं करने की जिद छोड़ना होगी, तभी उन्हें न केवल पसंद का वर मिलेगा अपितु सुख-दुख में साथ देने वाला परिवार भी मिलेगा।

यह बात माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कमल नारायण भुराडिया ने बीच में परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन प्रत्याशियों की परिचय प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए प्रत्याशियों को संबोधित करते हुए कहे. संस्था के सचिव कल्याणमल मंत्री एवं राम मूंदड़ा ने बताया कि सम्मेलन के दौरान उच्च शिक्षित युवा एवं युवतियों का अलग से मेल मिलाप एवं विचार संप्रेषण का आयोजन किया गया. इस आयोजन में युवक एवं युवतियों ने बेबाकी से अपने विचार व्यक्त किए. वर्तमान समय में युवतियां सुशिक्षित होकर स्वावलंबी होना चाहती हैं वहीं युवक भी कामकाजी एवं सुशिक्षित जीवन साथी चाहते हैं. युवतियों ने कहा कि घर की दहलीज से बाहर निकाल कर हम अपना करियर परिवार को समर्पित करना चाहते हैं, इसलिए युवाओं के भी जिम्मेदारी है कि वे घर के कामों में हाथ बटाएं. युवक0युवतियों ने बिना किसी झिझक के ना केवल अपना परिचय दिया अपितु अपनी पसंद के बारे में भी स्पष्टतापूर्वक अपनी बात रखी और मंच पर बेबाकी से प्रत्याशियों ने अपनी पसंद बताई. राम मूंदड़ा एवं स्वागत अध्यक्ष घनश्याम झंवर ने बताया कि दूसरे दिन लगभग 140 रिश्तों की बात गंभीरता से पूर्णता की ओर बढ़ गई थी. कल अंतिम दिन इसके नतीजे मिलेंगे.

कस्बों में करियर ऑप्शन नहीं

अधिकांश लड़कियों ने कहा कि गांव में करियर ऑप्शन नहीं है जिसके चलते वे गांव कस्बों में शादी नहीं करना चाहती वहीं कुछ लड़कियां जो गांव की पृष्ठभूमि से थी, उन्होंने अच्छा वर और घर होने पर कस्बे में भी जाने की स्वीकृति प्रदान की. अधिकांश लड़कियां इस बात की हामी थी कि उनका जीवन साथी अपने माता-पिता के साथ हमारे माता-पिता का भी ध्यान रखे. इस अवसर पर सत्यनारायण बाहेती, मनीष बिसानी, अशोक धूत, बसंत खटोड़, दिनेश परवाल रेखा काकानी, पूनम मालपानी आदि उपस्थित थे.